NAVBHARAT TIMES

Date: 5-8-2018 I Edition: New Delhi I Page no: 2 I

नए रूट्स का बन रहा है मास्टरप्लान

पब्लिक ट्रांसपोर्ट के हर रूट की बारीकी से की जा रही है स्टडी

Bhupender.Sharma@timesgroup.com

■**नई दिल्ली :** दिल्ली में पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम में चलने वाले सभी वीकल के नए रूट्स का मास्टरप्लान तैयार किया जा रहा है। डिम्ट्स ने मौजूदा रूट्स को लेकर सर्वे और डेटा तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

दिल्ली सरकार के एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि हर रूट की बारीकी से स्टडी की जा रही है। रूट्स पर राइडरशिप के डेटा का भी विश्लेषण किया जा रहा है। रूट्स को लेकर की जा रही साइंटिफिक स्टडी में इस बार मिनी और मिडी बसों के रूट्स को भी शामिल किया गया है। दरअसल सरकार बड़ी बसों के साथ-साथ छोटी बसों की संख्या में भी बढ़ोतरी करना चाहती है। इस स्टडी के बाद तैयार होनी वाली रिपोर्ट में बताया जाएगा कि किन-किन रूट्स पर मिनी और मिडी बसों को लाया जा सकता है। मिनी और मिडी बसों को चलाए जाने के मसले पर स्टडी में यह देखा जाएगा कि इन बसों को कौन-कौन से रूट्स पर चलाया जा सकता है और किन एरिया में मिनी बसों की ज्यादा जरूरत है। जहां पर बड़ी बसें नहीं चल सकतीं, वहां पर मिनी बसों को चलाने की योजना है। डिम्ट्स ने चार साल पहले 2012 में पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम और बसों के रूट्स को लेकर एक स्टडी रिपोर्ट सरकार को सौंपी थी। बसों के रूट्स में बदलाव, नए रूट्स के साथ-साथ फीडर रूट्स की जरूरत को ध्यान में रखते हुए यह रिपोर्ट तैयार की गई थी। हालांकि, इस रिपोर्ट पर कुछ खास नहीं हुआ। 2015 में मेट्रो मैन ई श्रीधरन ने दिल्ली की सड़कों को देखते हुए सरकार को मिनी और मिडी बसों को चलाने का सुझाव दिया था।

बढ़ेंगी बसें

- डिम्ट्स ने रूट्स को लेकर सर्वे और डेटा तैयार करने का प्रोसेस शुरू किया
- मिनी और मिडी बसों के लिए भी होगी नए सिरे से स्टडी

एसटीए ऑपरेटर एकता मंच के अध्यक्ष सुरिंदर पाल सिंह और प्रवक्ता श्यामलाल गोला का कहना है कि बस ऑपरेटर मिनी और मिडी एसी बसें तक चलाने को तैयार है, लेकिन इसके लिए सरकार को सही प्रपोजल तैयार करना होगा। ये बसें उन सभी जगह पर भी चलाई जा सकती है, जहां पर लोगों को पब्लिक ट्रांसपोर्ट आज भी मुहैया नहीं हो पा रही है। इन बसों से दुर्घटना होने की संभावना भी बहुत कम होती है। उन्होंने कहा कि जिस तरीके से क्लस्टर बसें ज्यादा बड़ी होने के कारण दिन में खाली चलती हैं और सरकार को उनका भुगतान पूरा करना पड़ता है ये नुकसान सरकार को इन मिनी मिडी बसों के आने से बहुत कम हो जाएगा।

सरकार के एक सीनियर अधिकारी का कहना है कि दिल्ली में सड़कों के हिसाब से बसें चलाए जाने की जरूरत है। सरकार ने इससे पहले 3 से 4 हजार छोटी बसें लाने का प्रपोजल तैयार किया था। अब सरकार ने पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम में बड़े बदलाव की योजना का खाका तैयार करने के लिए 'कनेक्ट दिल्ली इनिशिएटिव' लॉन्च किया है। डीटीसी, क्लस्टर, आरटीवी, ग्रामीण सेवा समेत सभी पब्लिक सर्विस वीकल के रूट्स को लेकर पहली बार बड़े स्तर पर साइंटिफिक स्टडी करवाई जा रही है।

http://epaper.navbharattimes.com/details/457-58778-1.html